Humanity Intelligence Academy

Radical Transformational Leadership for Realizing SDGs

यूनिवर्सल एथिक्स एवं युवा नेतृत्व 2027

कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों के लिए 30 घंटे का पाठ्यक्रम

"यह पाठ्यक्रम नैतिक नेतृत्व विकसित करने के लिए तैयार किया गया है। नेतृत्व से हमारा आशय उन लोगों से है, जो अपनी करुणा के स्रोत से ऐसी क्रिया उत्पन्न करते हैं जो दुनिया में सकारात्मक परिवर्तन लाती है। यह रोज़मर्रा का नेतृत्व है—व्यक्तिगत, पारिवारिक और पेशेवर जीवन में—जो उस सार्वभौमिकता से संचालित होता है जहाँ कोई भी पीछे नहीं छूटता।"

— श्री एस. रामदोराई पूर्व सीईओ, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) पूर्व अध्यक्ष, गवर्निंग बोर्ड, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टीआईएसएस) पद्म भूषण (2006)

हम एक 2-क्रेडिट, 30 घंटे का पाठ्यक्रम प्रस्तुत करते हैं, जिसे 15 सत्रों (प्रत्येक 2 घंटे) के रूप में या मॉड्यूल आधारित प्रारूप (आधा दिन, एक दिन अथवा मिश्रित प्रारूप) में संचालित किया जा सकता है।

रैशनल

दुनिया भर में हजारों लोग सामाजिक न्याय के लिए काम कर रहे हैं। इसके साथ ही, सार्वभौमिक मूल्यों पर आधारित सांस्कृतिक परिवर्तन आवश्यक है, ताकि कानूनी उपायों को हर व्यक्ति के लिए वास्तविकता में बदला जा सके। दुनिया भर में सामाजिक न्याय के प्रति संवेदनशील लोग कई सवाल पूछ रहे हैं। इनके उत्तर हमारे भीतर ही निहित हैं।

जैसा कि नेल्सन मंडेला ने कहा है: "गरीबी कोई दुर्घटना नहीं है। गुलामी और रंगभेद की तरह, यह भी मानव निर्मित है और इसे मानव के कार्यों द्वारा समाप्त किया जा सकता है।"

सार्वभौमिक मानव अधिकारों की घोषणा बुनियादी सार्वभौमिक मूल्यों और नैतिकताओं पर आधारित है, जैसे समानता, न्याय, गरिमा और शांति। इसके अलावा, इसका अर्थ यह है कि व्यक्ति समानता और गरिमा जैसे सार्वभौमिक मूल्यों को अपने कार्यों का आधार बनाए और कई नजरियों को समझने और उनका सम्मान करने में सक्षम हो, बिना सार्वभौमिक मूल्यों से समझौता किए। यह भी इंगित करता है कि सामाजिक और राजनीतिक संवाद विभाजनकारी शक्तियों से परे हो और बुनियादी मूल्यों पर आधारित रहें, भले ही मतभेद हों। इस पाठ्यक्रम का मुख्य ध्यान इस पर होगा कि प्रतिभागी विवेक के साथ ऐसा जीवन जीने की क्षमता विकसित करें जो स्वयं और दूसरों के लिए लाभकारी हो।

आज की दुनिया में, सामग्रीवाद (Materialism) दुर्भाग्यवश कई लोगों के लिए 'सफलता' का पैमाना बन गया है। वर्तमान में मानवता द्वारा सामना की जा रही जटिल चुनौतियों के लिए एक व्यापक प्रतिक्रिया की अत्यंत आवश्यकता है। यह सुझाव देता है कि सभी स्तरों पर समग्र शिक्षा (holistic education)—स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और नागरिकों के लिए जीवन भर की सीख—को एक प्रमुख कार्यनीति के रूप में अपनाया जाना चाहिए। यह समग्र शिक्षा ऐसे व्यक्तियों के विकास को लक्षित करती है जो करुणा, समानता और गरिमा जैसे सार्वभौमिक मूल्यों को आत्मसात करें और इस आधार पर अपनी समुदाय, समाज और विश्व में परिवर्तन को मूर्त रूप दें। प्रेम और करुणा

आवश्यकताएँ हैं, विलासिता नहीं। इनके बिना मानवता जीवित नहीं रह सकती; और इनके बिना समानता और न्याय लोगों के लिए वास्तविकता में नहीं बदल सकते। अधिकांश लोग परिवर्तन के लिए उत्सुक हैं। हर गाँव, हर शहर और हर देश में ऐसे लोग हैं जो बेहतर भविष्य की कल्पना करते हैं और बेहतर कल के लिए काम करते हैं। एक अधिक न्यायपूर्ण, शांतिपूर्ण और समतामूलक दुनिया का सपना अरबों लोगों की साझा दृष्टि है। फिर भी, इतने सारे लोग सामाजिक परिवर्तन की कल्पना और प्रयास कर रहे हैं, इसके बावजूद हम जो परिवर्तन देखते हैं वह अधिकांशतः खंडित और क्रमिक (fragmented, incremental) हैं।

पाठ्यक्रम विवरण

"सार्वभौमिक नैतिकता और युवा नेतृत्व" पर आधारित यह पाठ्यक्रम निम्न कारणों से विशिष्ट है: नवीनतम मूल्य-आधारित दृष्टिकोणों, नई पीढ़ी की सोच, तथा न्यूरो-विज्ञान और मनोविज्ञान पर आधारित कार्यप्रणालियों के माध्यम से विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में रूपांतरणकारी परिवर्तन उत्पन्न किए गए हैं। यह नया प्रतिमान एक ऐसे न्यायपूर्ण और समतामूलक विश्व की संभावना को केंद्र में रखता है जो सभी के लिए हो। यह पाठ्यक्रम लोगों के भीतर उपस्थित सार्वभौमिक मूल्यों के अंतर्निहित स्रोत—व्यक्ति और समुदाय दोनों—से प्रेरणा लेकर कार्यनीतिक परिवर्तन की योजना बनाने और उसे लागू करने तथा मापनीय नतीजे उत्पन्न करने की दिशा में कार्य करता है। यह व्यक्तियों, समूहों और समुदायों की क्षमता विकसित करता है कि वे अपने भीतर झाँकें, अपनी आंतरिक संभावनाओं और सार्वभौमिक मूल्यों को स्रोतित करें, और यह सुनिश्चित करें कि उनके कार्य सभी के लिए न्याय और समता को संभव बनाएं। यह उन्हें नए पैटर्न की कल्पना करने, प्रणालीगत और सांस्कृतिक परिवर्तन को गति देने, तथा आर्थिक और सामाजिक रूपांतरण को आगे बढ़ाने के लिए सशक्त बनाता है। यह पाठ्यक्रम ऐसे कार्यों को प्रेरित करता है जो अग्रणी पहलें (breakthrough initiatives) उत्पन्न करें और मापनीय परिणाम दें। साथ ही यह आत्मचिंतन और विवेकपूर्ण कार्य के लिए स्थान तैयार करता है। यह ऐसे मंच भी निर्मित करता है जहाँ लोग अपनी आंतरिक संभावनाओं और सार्वभौमिक मूल्यों को स्रोतित करें, उन्हें आत्मरूपित करें और परिणामों के लिए लागू करें, साथ ही एक साथ अनेक नजरियों और विश्वदृष्टियों को समझने और धारण करने की क्षमता विकसित करें। यह पाठ्यक्रम इस बात को भी स्वीकार करता है कि प्रभावी होने के लिए बुद्धि, कार्य और नतीजों के बीच सामंजस्य आवश्यक है।

यह पाठ्यक्रम समालोचनात्मक चिंतन और गहन पूछताछ भरे मन को विकसित करता है। यह अभ्यासों के माध्यम से आत्मरूपित समझ को गहरा करता है, ताकि ऐसे समाधान खोजे जा सकें जो व्यक्तियों और समुदायों से जुड़े मुद्दों के लिए समतामूलक और टिकाऊ हों। यह सार्वभौमिक मूल्यों को स्रोतित करता है, जिससे वैकल्पिक रास्ते निर्मित किए जा सकें, समस्याओं का समाधान हो सके और नतीजे उत्पन्न किए जा सकें। यह हमें नए पैटर्न की कल्पना करने, प्रणालीगत और सांस्कृतिक परिवर्तन को कार्य में लाने, तथा आर्थिक और सामाजिक रूपांतरण को आगे बढ़ाने के लिए सशक्त बनाता है। यह ऐसे कार्यों को प्रेरित करता है जो अग्रणी पहलें उत्पन्न करें और मापनीय नतीजे दें। यह पाठ्यक्रम आत्मचिंतन और विवेकपूर्ण कार्य के लिए स्थान तैयार करता है और ऐसे मंच बनाता है जहाँ लोग अपनी आंतरिक संभावनाओं और सार्वभौमिक मूल्यों को स्रोतित करें, उन्हें आत्मरूपित करें और नतीजों के लिए लागू करें, साथ ही एक साथ अनेक नजरियों और विश्वदृष्टियों को समझने और धारण करने की क्षमता विकसित करें। यह इस बात को भी स्वीकार करता है कि प्रभावी होने के लिए सार्वभौमिक मूल्यों, बुद्धि, कार्य और नतीजों के बीच सामंजस्य आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम भविष्य के प्रभावी परिवर्तनकारी कर्ताओं के रूप में विद्यार्थियों को विकसित करने के लिए सीखने के तीन आवश्यक घटकों को एकीकृत करता है।

इस पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु पाँच व्यापक इकाइयों में व्यवस्थित है,अपने सार्वभौमिक मूल्यों को स्रोतित करना; सार्वभौमिक मूल्यों और नैतिकता के आधार पर परिवर्तन का डिज़ाइन करना; दूसरों के साथ मिलकर नेतृत्व करना; जवाबदेही और जिम्मेदारी; और नैतिक नेतृत्व। इस पाठ्यक्रम में 30 घंटे का कक्षा-आधारित शिक्षण और 60 घंटे का अभ्यास शामिल होगा। प्रत्येक सत्र की शुरुआत नई सीख और अभ्यास पर विचार से होगी, जिससे विद्यार्थियों की समझ गहरी होगी और उनके विचारों में स्पष्टता और तीक्ष्णता आएगी। इस पाठ्यक्रम में सिखाए जाने वाले उपकरण और विधियाँ विभिन्न प्रकार की क्षमताओं को विकसित करती हैं। उदाहरण के लिए— सुनने और बोलने

की क्षमता, संवादों को संभालने और रूपांतरित करने की क्षमता, तथ्य और व्याख्या के बीच अंतर समझने की क्षमता, निर्णय, विवेक और समझ का विकास, सिद्धांत-आधारित आक्रोश और विनाशकारी क्रोध के बीच अंतर, जवाबदेही और उत्तरदायित्व, अभ्यास में गहन अखंडता, परिवर्तन और रूपांतरण के लिए डिज़ाइन करना । एक नैतिक लीडर के रूप में विकसित होना इस पाठ्यक्रम में कक्षा के बीच के समय में भी अभ्यास और अनुप्रयोग शामिल हैं, ताकि विद्यार्थी कक्षा में सीखी गई बातों को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात कर सकें और लागू कर सकें।

यह नया प्रतिमान निम्न तरीकों से एक मौलिक रूप से नए दृष्टिकोण का आश्वासन देता है:

• गरीबी और अभाव जैसे मुद्दों के प्रणालीगत और सांस्कृतिक कारणों को संबोधित करने के लिए, सार्वभौमिक मूल्यों और सार्वभौमिक नैतिकता पर आधारित कार्य के माध्यम से नए तरीके विकसित करना।
• पहचान से जुड़े प्रश्नों से जूझने और समाज में विभाजन पैदा करने वाली शक्तियों से ऊपर उठने की क्षमता विकसित करना।
• उन अदृश्य पैटर्नों को देख पाना जो यथास्थिति को बनाए रखते हैं, उन्हें स्पष्ट करना और "खेल के नियमों" को बदलना।
• सर्वोभौमिक मूल्यों के आधार पर ऐसा पहल और कार्यनीतियाँ रचना जो वास्तविक अंतर पैदा करें।
• शक्ति और प्रभुत्व की प्रकृति और पैटर्नों को समझने की हमारी क्षमता को बढ़ाना, उनसे ऊपर उठना, और जिम्मेदार कार्य के लिए अपनी आत्मविश्वासी-क्षमता (Agency) को सशक्त बनाना।
• नेतृत्व की अवधारणा को रूपांतरित करना और ऐसा वातावरण निर्मित करना जो सबके लिए न्याय और गरिमा सुनिश्चित करे।

यह कार्यनीति नई पीढ़ी को अपने आप को मूलभूत रूप से नए नजरिये से देखने में सक्षम बनाएगी—ऐसे लोगों के रूप में जो असाधारण और रूपांतरणकारी बदलाव ला सकते हैं; जो उदासीनता और निराशा को आशा और प्रभावी कार्य में बदल सकते हैं, अपने स्थानीय समुदायों के लिए भी और इस धरती पर हजारों लोगों के लिए भी।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

• अपने आप को जानना, उन सार्वभौमिक मूल्यों को पहचानना जिनके लिए मैं खड़ा हूँ, और अपनी पहचान को समझना; ताकि मैं स्वयं का रूपांतरण और विकास कर सकूँ, और दूसरों में विविधता को अपनाने में सक्षम बनूँ।

• यह जानना कि अपने पूर्ण क्षमता को कैसे प्रकट किया जाए, ताकि समतामूलक और टिकाऊ परिवर्तन उत्पन्न किया जा सके और उसका नेतृत्व किया जा सके।

• उन अदृश्य और परस्पर जुड़े पैटर्नों और संरचनाओं को पहचानना जो अल्पकालिक और अस्थिर विकास को जन्म देते हैं; और ऐसे नए पैटर्न उत्पन्न करना जो आंतरिक क्षमता और सर्वोभौमिक मूल्यों से स्रोतित हों तथा तात्कालिक और दीर्घकालिक—दोनों प्रकार के परिवर्तन लाएँ।

• अनेक नजरियों को साथ रखते हुए भी, अपने कार्य में सार्वभौमिक मूल्यों को धारण करने में सक्षम होना।

• ऐसे अग्रणी पहलों की संरचना को समझना जो समाज और समुदाय के स्तर पर सिस्टम में बदलाव और सांस्कृतिक मानदंडों में परिवर्तन लाकर समतामूलक और टिकाऊ बदलाव उत्पन्न करें; और ठोस व मापने योग्य नतीजे सामने लाएँ।

• अपने मूल्यों और कार्यों को सामंजस्य में लाकर रूपांतरणकारी परिवर्तन का नेतृत्व और स्टीवर्ड करना; तथा नैतिक प्रश्नों पर जिम्मेदारी से बोलना और आवाज उठाना।

• व्यक्तिगत सफलता को नए और सृजनात्मक तरीके से पुनर्परिभाषित करना—जिसमें जवाबदेही और गहनअखंडता का समावेश हो; और सर्वोभौमिक मूल्यों, सिद्धांतों, उद्देश्य और अभ्यासों के संगम को जीवन में प्रकट करना।

पाठ्यक्रम लेखक

यह कोर्स डॉ. मोनिका शर्मा द्वारा तैयार किया गया है, जो टाटा चेयर प्रोफेसर तथा संयुक्त राष्ट्र में नेतृत्व एवं क्षमता निर्माण की पूर्व निदेशक रही हैं। उनकी पुस्तक "Radical Transformational Leadership" को प्रमुख विद्वानों द्वारा एक उत्कृष्ट पथ-प्रदर्शक माना गया है। यह पुस्तक उन लोगों के लिए नहीं है जो दुनिया को जैसी है वैसी ही स्वीकार कर चुके हैं—यह उन लोगों के लिए है जिनके भीतर परिवर्तन का संकल्प है।

इस पुस्तक को वर्ष 2017 में नॉटिलस गोल्ड बुक अवॉर्ड (बिज़नेस और नेतृत्व) से सम्मानित किया गया। पूर्व विजेताओं में एंड्रयू हार्वी, दीपक चोपड़ा, डेसमंड टूटू, एकहार्ट टॉले, दलाई लामा और थिक न्यात हान जैसे नाम शामिल हैं।

डॉ. मोनिका शर्मा वर्ष 2019 तक टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टीआईएसएस), मुंबई में टाटा चेयर विजिटिंग प्रोफेसर रहीं। वे एक प्रशिक्षित चिकित्सक और महामारी विज्ञानी हैं तथा 1988 से 2010 तक संयुक्त राष्ट्र के साथ कार्यरत रहीं। संयुक्त राष्ट्र, यूएनडीपी और यूनिसेफ़ में नेतृत्व और क्षमता विकास की निदेशक के रूप में उन्होंने विश्वभर में समग्र प्रणाली परिवर्तन (Whole Systems Transformation) तथा नेतृत्व विकास के कार्यक्रमों का डिज़ाइन और क्रियान्वयन किया।

उन्होंने वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए एक अनूठा दृष्टिकोण विकसित किया—जागरूक पूर्ण-प्रणाली प्रत्युत्तर मॉडल (Conscious Full Spectrum Response Model)—जो एक साथ अनेक समस्याओं का समाधान करता है, प्रणालियों और सामाजिक मानदंडों में परिवर्तन लाता है तथा व्यक्ति की आंतरिक क्षमता से नए व्यवहार और परिणाम उत्पन्न करता है। इस दृष्टिकोण ने विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में स्थायी और ठोस परिवर्तन के परिणाम दिए हैं।

वर्ष 2009 में उन्हें "द स्पिरिट ऑफ द यूनाइटेड नेशंस अवॉर्ड" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जिनका कार्य संयुक्त राष्ट्र के मूल सिद्धांतों, भावना और दृष्टि का जीवंत उदाहरण होता है।

पाठ्यक्रम शिक्षक

ग्लासिका वर्मा प्रोग्राम डायरेक्टर, ह्यूमैनिटी इंटेलिजेंस अकादमी, RTL-Works, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर और एक सामाजिक कार्य परामर्शदाता (Social Work Counselor) हैं। वे मानवता, खुशी और आनंद की गहरी परवाह करती हैं। वर्तमान में, वे RTLWorks में कार्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्यरत हैं। वे RTL ग्लोबल मानसिक स्वास्थ्य समूह की सदस्य भी हैं। उन्होंने पहले इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और उसके बाद टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, गुवाहाटी से पेशेवर सामाजिक कार्य परामर्शदाता प्रशिक्षण प्राप्त किया। वे एक RTL प्रैक्टिशनर कोच हैं और RTL उपकरणों और टेम्पलेट्स का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित हैं, जिनका वे स्कूल में कल्याण को बढ़ावा देने के लिए अपने काम में उपयोग करती हैं। वे स्कूल के बच्चों के लिए मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक शिक्षा (SEL) के क्षेत्र में भी काम करती हैं। वे हाशिए पर रहने वाले समुदायों के साथ मिलकर कल्याण और सहानुभूति को बढ़ावा देने का कार्य करती हैं।

चित्रा आर. लक्ष्मण चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, ह्यूमैनिटी इंटेलिजेंस अकादमी हैं और एक पेशेवर रूप से योग्य सामाजिक कार्यकर्ता हैं जो पिछले पच्चीस वर्षों से मुंबई के एक शहरी झुग्गी में विकलांगता प्रबंधन और सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम कर रही हैं। उनका काम विकलांगता वाले छात्रों को

उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यावसायिक प्रशिक्षण आवश्यकताओं में समर्थन प्रदान करना शामिल है। उनका दृष्टिकोण सामुदायिक आधारित पुनर्वास की पूरी प्रक्रिया में परिवार को शामिल करना है। मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के क्षेत्र में उनका काम भेदभाव और मानसिक बीमारी से पीड़ित लोगों के बहिष्करण के कलंक को तोड़ने के उद्देश्य से है। यह सामुदायिक क्लिनिक चलाकर और मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के महत्व पर समुदाय को जागरूक करके किया जा रहा है। पिछले नौ वर्षों से RTL प्रैक्टिशनर होने के नाते, वह कहती हैं, "इसने मुझे अपने जीवन में उद्देश्य खोजने में मदद की है मेरे संवाद और क्रियाओं के माध्यम से। जब मैं आज कोई क्रिया करती हूँ, चाहे वह कितनी भी छोटी क्यों न हो, यह गरिमा, समानता और करुणा पर आधारित होती है। मैं अपने रोज़मर्रा के कार्यों के प्रति अधिक सचेत हो गई हूँ" और मुझे घर, काम और समाज में परिणामों को उजागर होते हुए देखने को मिल रहा है।

श्रीलता जुव्वा एक सामाजिक कार्य शिक्षा विशेषज्ञ और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, मुंबई में प्रोफेसर हैं। वह एक प्रैक्टिशनर कोच हैं, जिन्होंने डॉ. मोनिका शर्मा की रैडिकल ट्रांसफॉर्मेशनल लीडरशिप में प्रशिक्षण प्राप्त किया है और इसका उपयोग उच्च शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य तथा विकलांगता के सेवा वितरण को बदलने के लिए करती हैं। वह इन उपकरणों और टेम्पलेट्स का उपयोग मानसिक स्वास्थ्य और विकलांगता के अपमानजनक नैरेटिव को बदलने के लिए करती हैं, जिससे लोगों में गरिमा, पूर्ण क्षमता और नैतिक नेतृत्व को बढ़ावा मिलता है।

पाठ्यक्रम कंटेंट

यूनिट 1: स्वयं और अपने सर्वोभौमिक मूल्यों को जानना (8 घंटे)
यूनिट 2: सर्वोभौमिक मूल्यों और नैतिकता के आधार पर परिवर्तन की डिज़ाइन करना (8 घंटे)
यूनिट 3: दूसरों के साथ नेतृत्व करना (6 घंटे)
यूनिट 4: जवाबदेही और जिम्मेदारी (4 घंटे)
यूनिट 5: नैतिक नेतृत्व (4 घंटे)

प्रारूप एवं समय

- कुल 10 कक्षाएँ, प्रत्येक 3 घंटे की।
- कक्षाएँ रविवार को दोपहर 2:00 - 5:00 बजे तक आयोजित की जाएँगी।
- पाठ्यक्रम मई से जुलाई 2027 तक चलेगा।

आवेदन हेतु (केवल 30 सीटें उपलब्ध)

आवेदन की आवश्यकताएँ:

- निर्धारित आवेदन-पत्र (Application Form) को पूर्ण रूप से भरना अनिवार्य है।
- सभी आवेदकों को अपना छात्र पहचान-पत्र (Student ID) तथा संकाय/महाविद्यालय से अनुशंसा-पत्र (Recommendation Letter) अपलोड करना होगा।

चयन प्रक्रिया निम्नलिखित दो चरणों में संपन्न होगी:

1. आवेदन-पत्र की समीक्षा
2. साक्षात्कार (इंटरव्यू)

उपरोक्त प्रक्रिया के आधार पर अंतिम रूप से 30 प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा।

पंजीकरण शुल्क

सभी सफल उम्मीदवारों के लिए पाठ्यक्रम शुल्क इस प्रकार है:

- शुल्क विवरण शीघ्र ही अपडेट किया जाएगा

यह प्रायोजित कार्यक्रम नहीं है और कार्यशाला के लिए कोई अनुदान प्राप्त नहीं किया गया है। हालाँकि, हम छात्रवृत्ति (scholarships) के अवसर तलाश रहे हैं। सभी फैसिलिटेटर और संसाधन व्यक्ति सेवा भाव से काम कर रहे हैं।

किसी भी सहायता के लिए कृपया हमसे संपर्क करें:
ईमेल: team@rtlworks.com
ग्लासिका: +91 6260337629 (Phone, Signal, Telegram और WhatsApp)
टीम RTL (Signal/WhatsApp): +91 9869219901

याद रखने योग्य महत्वपूर्ण तिथियाँ

- 16 अप्रैल 2027 – पंजीकरण/आवेदन की अंतिम तिथि
- 25 अप्रैल 2027 – चयन की तिथि
- 30 अप्रैल 2027 – पाठ्यक्रम शुल्क का अंतिम भुगतान दिन
- 16 मई 2027 – पाठ्यक्रम प्रारंभ तिथि